Regarding need to combat the negative impact of social media and internet-Laid

श्री चंदन चौहान **(**बिजनौर**) :** भारत में इंटरनेट कनेक्शन 2014 में 25.5 करोड़ एवं 2024 में 96.96 करोड़ हो गए हैं । 2025 में 75 करोड़ सोशल मीडिया अकाउन्ट है । लगभग 85.5% घरों में एक स्मार्टफोन मौजूद है । आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग ने भारतीयों के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है और ये सर्वेक्षण विशेष रूप से चेतावनी देता है कि फोन आधारित बचपन बच्चों के अनुभव को बदल रहा है । वरिष्ठ नागरिक सोशल मीडिया और डिजिटल साक्षर ना होने के कारण भ्रामक संदेशों और वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार होते हैं । एन.सी.आर.बी. (NCRB) के अनुसार महिलाओं के खिलाफ़ अपराधों में 28% की वृद्धि हुई है । वायरल होने की भीड़ में जघन्य अपराध हो रहे हैं । ऑपरेशन सिंदूर जैसे संवेदनशील समय में शत्रु देश भ्रामक जानकारी फैलाकर राष्ट्रीय सुरक्षा में सेंध लगा रहे थे । अत: मेरा सरकार से आग्रह है कि सभी आयु समूह, बच्चों, युवाओं, माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों को लक्षित करते हुए डिजिटल साक्षरता और मानसिक स्वास्थ्य पर एक व्यापक राष्ट्रीय जागरूक अभियान शुरू करें । डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन 2013 को सख्ती से लागू किया जाए । Responsible by Designer के सिद्धांत को बढ़ावा दिया जाए । साइबर बुलिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए एक फ़ास्ट ट्रैक निवारण तंत्र स्थापित हो । यूरोपियन संघ के डिजिटल सर्विस एक्ट की तरह प्लेटफार्म की जवाबदेही तय करने UK के Online Safety Act एवं ऑस्ट्रेलिया के E Safety Commissioner की तरह सशक्त नियामक बनाने की कवायद शुरू की जाए । Freedom of Speech का सम्मान करते हुए AI से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों जैसे डीप फेक, भ्रामक सूचना से निपटने की स्पष्ट नीती को बनाया जाए ।